समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास अक्टूबर 2021

विषय – हिन्दी

कक्षा - 6-8

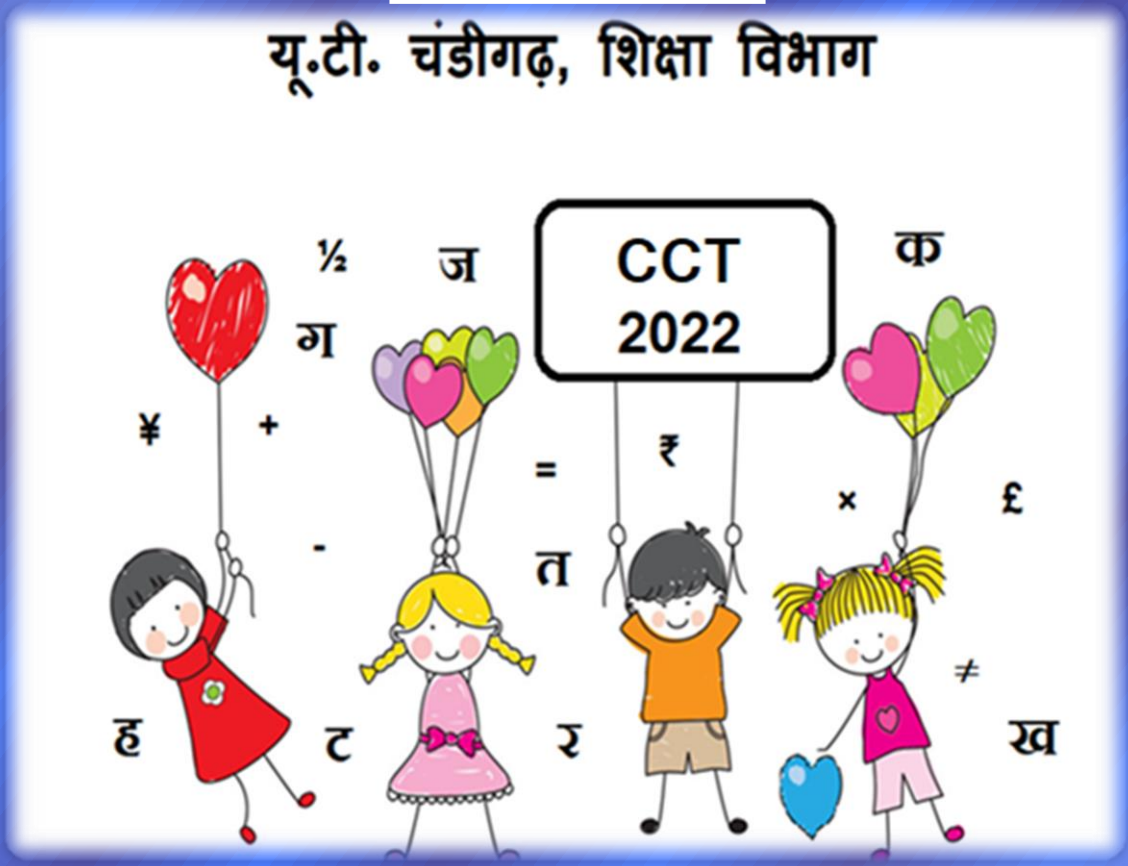

संकलित – राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,बहलाना,चंडीगढ़।

राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,रायपुर खुर्द,चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

समन्वयक :

प्राचार्य श्रीमती रेनु गुप्ता,राजकीय वरिष्ठ आदर्श माध्यमिक विद्यालय,बहलाना,चंडीगढ़।

प्राचार्य श्रीमती रेनु पाठक ,राजकीय वरिष्ठ आदर्श माध्यमिक विद्यालय,रायपुर खुर्द,चंडीगढ़।

निर्माण समिति :

1. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
2. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
3. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
4. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
5. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
6. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
7. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
8. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
9. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
10. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
11. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़
12. सोनिया राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
13. तेजिंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़

<u>दिशा निर्देश</u> :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):
- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन

- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	Class 6th to 8th			
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	एवरेस्ट पर्वत शिखर	Understand Analyze	इंटरनेट से साभार	4
2	पेपरमेशी	Understand Analyze	पाठ्यपुस्तक	9

प्रतिमान-1

एवरेस्ट पर्वत शिखर

पाठ्य पुस्तक का नाम :वसंत भाग-2	कक्षा – सातवीं
प्रकार :निबंध	पाठ का नाम : हिमालय की बेटियाँ
सीखने के प्रतिफल : 707. विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रक्रिया देते हैं। 710. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जांच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं। 711. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।	

एवरेस्ट पर्वत (नेपाली: सगरमाथा, संस्कृत: देवगिरि) दुनिया का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊँचाई 8,848.86 मीटर है। 8 दिसम्बर सन् 2020 तक जिसकी ऊँचाई 8,848 मीटर थी। यह हिमालय का हिस्सा है। पहले इसे XV के नाम से जाना जाता था। माउंट एवरेस्ट की ऊँचाई उस समय 29,002 फीट या 8,840 मीटर मापी गई थी। वैज्ञानिक सर्वेक्षणों में कहा जाता है कि इसकी ऊंचाई प्रतिवर्ष 2 से°मी° के हिसाब से बढ़ रही है। नेपाल में इसे स्थानीय लोग सगरमाथा (अर्थात स्वर्ग का शीर्ष) नाम से जानते हैं, तो एक नाम नेपाल के इतिहासविद बाबुराम आचार्य ने सन् 1930 के दशक में रखा था - *आकाश का भाल*। तिब्बत में इसे सदियों से चोमोलंगमा अर्थात *पर्वतों की रानी के नाम* से जाना जाता है।

	उच्चतम बिंदु
ऊँचाई	8,848.86 मी° (29,031.7 फीट) रैंक 1
उदग्रता	8,848.86 मी° (29,031.7 फीट)

सूचीयन	सात शिखर आठ हजारी चोटियाँ अल्ट्रा
निर्देशांक	27°59′17″N 86°55′31″E / 27.98806°N 86.92528°E
भौगोलिक स्थिति	
स्थान	सोलुखुंबु जिला, प्रदेश संख्या १, नेपाल; तिन्त्री काउंटी, श्याग्ज़े, तिब्बत, चीन
देश	नेपाल और चीन
मातृ श्रेणी	महालंगुर हिमाल, हिमालय
आरोहण	
प्रथम आरोहण	29 मई 1953 एडमंड हिलेरी और तेन्जिंग नॉरगे (पहला शीतकालीन आरोहण 17 फरवरी 1980
आम मार्ग	दक्षिणी कॉल (नेपाल)

1.दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर कौन सा है? और वर्तमान समय में इसकी ऊंचाई कितने मीटर है?

2.सही मिलान कीजिए

नेपाली	चोमोलंगमा
तिब्बत	सगरमाथा
बाबूराम आचार्य	आकाश का भाल
संस्कृत	देवगिरी

3.रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:-

प्रथम आरोहण .....वर्ष और ....और .... के द्वारा किया गया।

4.1984 में बछेंद्री पाल एवरेस्ट की ऊंचाई को छूने वाली दुनिया की पांचवीं महिला पर्वतारोही है। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि किसी पर्वत की ऊंचाई करते समय किन किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, कोई दो कठिनाइयाँ लिखो।

5. 8848 मीटर को किलोमीटर एवं फीट में बदलें।

(यदि 1 मीटर =3.2 फुट)

(केवल शिक्षकों के लिए)

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
4	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full Credit : एवरेस्ट पर्वत, यह कहा जाता है कि इसकी ऊंचाई प्रतिवर्ष 2 से॰मी॰ के हिसाब से बढ़ रही है।
   Partial credit :कोई भी एक संगत तथ्य
   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2. Full Credit :

नेपाली	सगरमाथा
तिब्बत	चोमोलंगमा
बाबूराम आचार्य	आकाश का भाल
संस्कृत	देवगिरी

   Partial credit : कोई भी एक उत्तर(मिलान) के सही होने पर

3. Full Credit : 29 मई 1953

एडमंड हिलेरी और तेन्जिंग नॉरगे

Partial credit : कोई भी एक उत्तर के सही होने पर

No Credit :असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit :गिरती चट्टानें, गिरती बर्फ, हिमस्खलन, पर्वतारोही का गिरना, बर्फीली ढलानों से गिरना, बर्फीली ढलानों का गिरना, बर्फीली दरारों में गिरना और ऊँचाई तथा मौसम के खतरे।

Partial credit : कोई भी एक /कारण के सही होने पर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full credit : 8.848 किलोमीटर और 29021.44 फुट

Partial credit : कोई भी एक उत्तर के सही होने पर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान-2

अक्टूबर 2021

पाठ्य पुस्तक :- वसंत भाग-1	कक्षा-6	उपविषय- पेपरमेशी कला
प्रकार- गद्यांश	पाठ का नाम :- पेपरमेशी	
सीखने के प्रतिफल 614 नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उनके अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं। 615 विविध कलाओं, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं।		

मिट्टी की मूर्ति कला के समान कागज की कला पेपरमेशी पुरानी नहीं है 18 वीं शताब्दी में इस माध्यम में यूरोप में बहुत काम हुआ | सुंदर डिजाइनों वाले डिब्बे छोटी-छोटी सजावट की चीजें आदि बनाई गई| दरवाजों और चौखटो ऊपर सुंदर बेल बूटे भी इससे बनाए जाते थे| सन 1850 के आस-पास बड़े-बड़े भवनों के अंदर की सजावट के लिए भी पेपरमेशी का खूब उपयोग हुआ| इससे मुखोटे, गुड़ियों के चेहरे, चित्र के चारों तरफ लगने वाले नक्काशीदार फेम,ब्लॉक आदि भी बनाए जाते थे| अपने यहां भी पेपरमेशी में मूर्तियां, डिब्बे इत्यादि खूब बनाए जाते हैं| बिहार में मानव आकार जितनी बड़ी बड़ी मूर्तियां भी बनाई जाती हैं और उन्हें वहां की प्रसिद्ध चित्र शैली मधुबनी के समान रंगा भी जाता है| बिहार में इस तरह की मूर्तियां बनाने वालों में सुभद्रा देवी का नाम प्रसिद्ध है| कश्मीर में पेपर मेशी से डिब्बे बनने का काम बहुत सुंदर होता है | उनके ऊपर बेलबूटों के सुंदर डिज़ाइन भी बनाए जाते हैं| अलग-अलग प्रदेशों में लोक-नृत्यों और लोक कलाओं में कागज के बने मुखौटों का खूब उपयोग किया जाता है|

पेपर मेशी बनाने के लिए कागज़ को भिगोकर, उसकी लुगदी बनाकर, लुगदी में खड़िया मिट्टी, और गोंद आदि मिलाकर सबसे पहले गाढ़ा घोल तैयार किया जाता है| अब इससे मनचाही वस्तुएं बनाकर, उसमें मनचाहे रंग भरे जाते हैं| बाज़ार में मिलने वाले खिलौने इसी लुगदी से बनते हैं|

आज पूरे विश्व में पेपर मेशी की कला फल-फूल रही है और इससे अनेक सजावटी सामान, कलाकृति आदि बनाए जाते हैं।

ख. कागज, गोंद, मुखौटा, मूर्तिकला, डलिया

ग. कागज, गुड़ियों के चेहरे, सजावट की चीज़ें, खिलौने

घ. कागज़, गोंद, बर्तन, मिट्टी/ पाउडर, पानी

प्रश्न 2. पेपरमेशी बनाने की प्रक्रिया के सही क्रम वाला विकल्प चुनें:-

। लुगदी में मिट्टी मिलाते जाओ और आटे जैसा गूँधकर एक सा कर लो।

॥ सांचे या बिना सांचे के मनचाहे आकार देकर रंग भर लो ।

III कागज के छोटे-छोटे टुकड़े बर्तन में पानी भरकर भिगो दो ।

iv. कागज गल जाने पर इसको कूट/मसलकर लुगदी बना लो।

क I, ii, iii, iv

ख ii, I, iv, iii

ग iv, I, ii, iii

घ iii, iv, I, ii

प्रश्न 3. निम्नलिखित पंक्तियाँ पूरी करने हेतु सही क्रम में दिए शब्दों वाला विकल्प चुनें:-

18 वीं शताब्दी में पेपरमेशी कला पर बहुत.....हुआ । सन् 1850 के आसपास बड़ी.....के अंदर की सजावट के लिए पेपरमेशी का उपयोग हुआ। इससे..... और चित्र के चारों ओर लगने वाले नक्काशीदार..... .बनाए जाते हैं।

क. कार्य, इमारतों, फ्रेम, बेल-बूटे

ख. इमारतों, कार्य, बेल-बूटे फ्रेम

ग. कार्य, बैल बूटे फ्रेम, इमारतों

घ कार्य फ्रेम, बैल-बूटे इमारतों

प्रश्न 4 इस गदयांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है-

क. बिहार की मधुबनी कला

ख. यूरोप की कला

ग. शताब्दी की कला

घ. पेपरमेशी एक अद्भुत कला

प्रश्न 5. 'किसी भी कला का विस्तार राज्य विशेष तक ही सीमित नहीं होता, अपितु देश की विभिन्न दिशाओं और राज्यों तक फैलता है। जैसे-पेपरमंशी बिहार में भी उतनी ही प्रसिद्ध है, जितनी कश्मीर में|'

बच्चों यदि पटना से जम्मू आते हुए 1485 कि. मी. की दूरी हिमगिरि एक्स्प्रेस द्वारा 27 घंटों में तय की जाती है, तो प्रतिघंटा रेलगाडी के द्वारा तय की गई दूरी बताएँ।

(केवल शिक्षकों हेतु)

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
2.	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	सरल
3.	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
4.	प्रतिबम्बित/मूल्यांकित	बहुविकल्पीय	औसत
5.	प्रतिबम्बित/मूल्यांकित	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	घ. कागज़, गोंद, बर्तन, मिट्टी/ पाउडर, पानी

	No Credit	अन्य विकल्प
2.	Full Credit	घ iii, iv, I, ii
	No Credit	अन्य विकल्प
3.	Full Credit	क. कार्य, इमारतों, फ्रेम, बेल-बूटे
	No Credit	अन्य विकल्प
4.	Full Credit	घ. पेपरमेशी एक अद्‌भुत कला
	No Credit	अन्य विकल्प
5.	Full Credit	55 कि. मी. प्रति घंटा
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर